चीनी की बोरियों का पकड़ा जाना

2974. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह अयरवाल :
श्री भारत सिंह चौहान :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि नरेला पुलिस ने अप्रैल, 1967 में चीनी से भरी 80 बोरियां पकड़ी थीं जो बिना किसी परमिट के हरियाणा भेजी जा रही थीं,

(ख) यदि हां, तो यह चीनी कहां से लाई गई थी, और

(ग) इस सम्बन्ध में सरकार ने क्या कार्यवाही की है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अन्नासाहिब शिन्दे) (क) जी हां।

(ख) और (ग). एफ० आई० आर० संख्या 54 दिनांक 14 अप्रैल, 1967 के आधार पर अत्यावश्यक वस्तु अधिनियम, 1955 की धारा 7 के अंतर्गत एक मामला दर्ज किया गया है। इसकी जांच हो रही है।

भारतीय खाद्य निगम के मुख्यालय को मद्रास से हटाकर दिल्ली लाना

2975. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री ओंकार सिंह :
श्री कदप्पन :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री 28 मार्च, 1967 के अतारांकित प्रश्न संख्या 72 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) भारत के खाद्य निगम के मुख्यालय को मद्रास से हटा कर दिल्ली लाने का जो सुझाव दिया गया है उसके क्या कारण हैं;

(ख) इस मामले में क्या निर्णय किया गया है; और

(ग) मुख्यालय का स्थान बदलने में कितना धन खर्च होने का अनुमान है ?

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य-मंत्री (श्री अन्ना साहिब शिन्दे) (क) भारतीय खाद्य निगम की गतिविधियों का विस्तार दक्षिणी राज्यों के अलावा अन्य क्षेत्रों में हो जाने से निगम के लिये मद्रास में रह कर अपना कार्य चलाना उत्तरोत्तर कठिन हो गया है। निगम के उच्च अधिकारियों का उत्तरी तथा पूर्वी क्षेत्रों में आने जाने में बहुत अधिक समय नष्ट हो जाता है। उन्हें खाद्य निगम, जिनके निकट सम्पर्क में कार्य करना पड़ता है, के साथ बार बार परामर्श करने में कठिनाई होती है।

(ख) मुख्य कार्यालय को नई दिल्ली में लाने के प्रस्ताव को मान लिया गया है।

(ग) लगभग 80 हजार रुपये।

बिहार में सहकारी ऋण व्यवस्था

2976. श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री राम सिंह अयरवाल :

क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या यह सच है कि केन्द्रीय अधिकारियों का एक दल सहकारी ऋण व्यवस्था के बारे में बिहार राज्य सरकार के साथ बातचीत करने के लिये मार्च 1967 में पटना गया था,

(ख) यदि हां, तो किन-किन विषयों पर बातचीत हुई, और

(ग) ऋण देने की शर्तों के बारे क्या निर्णय किया गया ?